

CLASS: IX	INDIAN SCHOOL MUSCAT SECOND PERIODIC TEST SET – A & B & C	SUBJECT: HINDI																
QP.NO.	VALUE POINTS	SPLIT UP MARKS																
1.	<p>निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए।</p> <p>(क) कीचड़ जैसा रंग कौन पसंद करते हैं?</p> <p>पुस्तकों के गल्तों पर, घरों की दीवारों पर, कीमती कपड़ों के लिए हम सब कीचड़ के जैसा रंग पसंद करते हैं। कला के जानकार भी मटमैला रंग पसंद करते हैं।</p> <p>(ख) बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?</p> <p>बीमार बच्ची ने देवी माँ का एक फूल प्रसाद के रूप में पाने की इच्छा प्रकट की।</p>	1 1																
2.	<p>निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में लिखिए।</p> <p>(क) मनुष्य को क्या भान होता जिससे वह कीचड़ का तिरस्कार न करता?</p> <p>मनुष्य को यदि इस बात का ज्ञान होता है कि हम धान भी कीचड़ में से ही पैदा करते हैं तो वह कभी भी कीचड़ का तिरस्कार नहीं करता। भारत के उत्तरी पूर्वी राज्यों में सबसे अधिक पैदा होने वाली धान की फसल कीचड़ में ही उगती है।</p> <p>(ख) कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति क्यों नहीं होती?</p> <p>कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति नहीं होती क्योंकि कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता। कीचड़ से शरीर गंदा हो जाता है। कीचड़ में वस्त्र मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े-यह किसी को पसंद नहीं है। सब कीचड़ से बचते हैं।</p> <p>(ग) सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया?</p> <p>सुखिया का पिता अछूत था। उसे मंदिर में प्रवेश करना मना था। अपनी बेटी की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए वह मंदिर में गया। लोग उसे पहचान गए। लोगों ने उस पर आरोप लगाया कि उसने मंदिर की पवित्रता नष्ट कर दी। यही आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया।</p> <p>(घ) जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया?</p> <p>जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने देखा कि उसकी बच्ची उसके जेल जाने के बाद मर गई थी। उसे उसके परिचितों ने जला दिया था। वह उसके सामने बुझी हुई चिता की राख के ढेर के समान पड़ी हुई पाई थी।</p>	2 2 2																
3)	<p>(क) निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और मूलशब्द अलग कीजिए।</p> <table style="width: 100%; text-align: center;"> <tr> <td style="width: 50%;">उपसर्ग मूलशब्द</td> <td style="width: 50%;">उपसर्ग मूलशब्द</td> </tr> <tr> <td>1 वेहया वे हया</td> <td>2 अनगिनत अन गिनत</td> </tr> <tr> <td>1 प्रारंभ प्र आरंभ</td> <td>2 निर्मूल निर मूल</td> </tr> <tr> <td>1 अधिकार अधि कार</td> <td>2 अत्यंत अति अंत</td> </tr> </table> <p>(ख) निम्नलिखित शब्दों में से मूलशब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।</p> <table style="width: 100%; text-align: center;"> <tr> <td style="width: 50%;">मूलशब्द प्रत्यय</td> <td style="width: 50%;"></td> </tr> <tr> <td>1 महल्वपूर्ण महल्व पूर्ण</td> <td></td> </tr> <tr> <td>1 तटस्थता तटस्थ ता</td> <td></td> </tr> <tr> <td>1 सम्मानपूर्ण सम्मान पूर्ण</td> <td></td> </tr> </table>	उपसर्ग मूलशब्द	उपसर्ग मूलशब्द	1 वेहया वे हया	2 अनगिनत अन गिनत	1 प्रारंभ प्र आरंभ	2 निर्मूल निर मूल	1 अधिकार अधि कार	2 अत्यंत अति अंत	मूलशब्द प्रत्यय		1 महल्वपूर्ण महल्व पूर्ण		1 तटस्थता तटस्थ ता		1 सम्मानपूर्ण सम्मान पूर्ण		2 1
उपसर्ग मूलशब्द	उपसर्ग मूलशब्द																	
1 वेहया वे हया	2 अनगिनत अन गिनत																	
1 प्रारंभ प्र आरंभ	2 निर्मूल निर मूल																	
1 अधिकार अधि कार	2 अत्यंत अति अंत																	
मूलशब्द प्रत्यय																		
1 महल्वपूर्ण महल्व पूर्ण																		
1 तटस्थता तटस्थ ता																		
1 सम्मानपूर्ण सम्मान पूर्ण																		
4)	<p>(क) संधि विच्छेद कीजिए।</p> <table style="width: 100%; text-align: center;"> <tr> <td style="width: 50%;">1 सर्वोत्तम- सर्व + उत्तम</td> <td style="width: 50%;">2 निसंकोच- निः + संकोच</td> </tr> <tr> <td>1 यद्यपि- यदि + अपि</td> <td>2 जगदीश- जगत + ईश</td> </tr> <tr> <td>1 सुरेश- सुर + ईश</td> <td>2 सज्जन- सत् + जन</td> </tr> </table>	1 सर्वोत्तम- सर्व + उत्तम	2 निसंकोच- निः + संकोच	1 यद्यपि- यदि + अपि	2 जगदीश- जगत + ईश	1 सुरेश- सुर + ईश	2 सज्जन- सत् + जन	2										
1 सर्वोत्तम- सर्व + उत्तम	2 निसंकोच- निः + संकोच																	
1 यद्यपि- यदि + अपि	2 जगदीश- जगत + ईश																	
1 सुरेश- सुर + ईश	2 सज्जन- सत् + जन																	
5)	प्रारूप - 1 अंक विषयवस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक	5																